ज्योत जले रे दिन रात माई की मड़ुलिया में लिरिक्स

ज्योत जले रे दिन रात,
माई की मड़ुलिया में।bd।

जग जननी दु:ख हरनी माता,
सब की सुने फरियाद,
माई की मड़ुलिया में।bd।

जूही चम्पा मोगरा फुले,
चमेली खिले आधी रात,
माई की मड़ुलिया में।bd।

धूप कपूर की आरती होवे,
हलुवा को चढ़े प्रसाद,
माई की मड़ुलिया में।bd।

हनुमत नाचे भैरों नाचे,
मैया नाचे साथ,
माई की मड़ुलिया में।bd।

माई के 'पदम्' गुणगान करो जी,
पूरी होगी मुराद,
माई की मड़ुलिया में।bd।

ज्योत जले रे दिन रात,
माई की मड़ुलिया में।bd।

लेखक / प्रेषक – डालचन्द कुशवाह"पदम्"
भोपाल। 9827624524

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com